4th अक्टूबर 2021

आगरा स्मार्ट सिटी लिमिटेड

31 अक्टूबर 2021 तक भारत में स्मार्ट सिटी रैंकिंग

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान एवं कोविड-19 के तहत

दो गज की दूरी बनाए रखने का आर सी जी पब्लिक स्कूल ने दिया संदेश

स्मार्ट सिटी ने आरएस स्कूल के बच्चों के साथ रैली निकाल कर कोविद 19 के प्रति लोगो को जागरूक किया।

दरेसी स्थित आर सी जी पब्लिक स्कूल,दरेसी आगरा की ओर से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान एवम कोविड 19 के तहत सामाजिक दूरी बनाये रखने के तहत क्षेत्र में विद्यालय के छात्रध्छात्राओं सहित रैली निकाली एवम अविभावकों से जन सम्पर्क किया।

आर सी जी पब्लिक स्कूल की डायरेक्टर शानू वर्मा एवम के आर बी आर की प्रधानाचार्या रचना शर्मा ने क्षेत्रीय नागरिकों से सभी बच्चों को विद्यालय में नियमित रूप से आने के साथ-साथ कोविड-19 के तहत सामाजिक दूरी बनाए रखने का संदेश देते हुए क्षेत्र में सैनिटाइजर का भी वितरण किया।

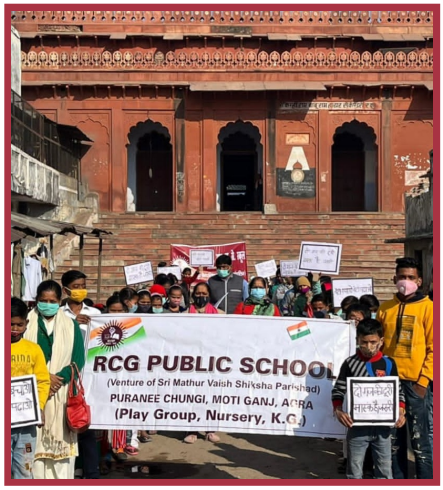

वाल गार्डन से स्मार्ट सिटी ने बड़ाई नगर निगम की खूबसूरती। स्मार्टसिटी की ओर से परिसर की दीवार पर छोटे छोटे पौधों लगाएं हैं। जो न सिर्फ खूबसूरती बड़ा रहे हैं। बल्कि पर्यावरण को संरक्षित भी कर रहे हैं।

टेबल टेनिस खिलाड़ियों की हौंसलाफजाई

टेबल टेनिस खिलाड़ियों की हौंसलाफजाई को लेकर स्मार्ट सिटी ने कैम्प लगाया। छात्राओ को आगरा स्मार्ट सिटी के कार्यो के विषय में जानकारी दी। इस दौरान छात्राओ ने संकल्प लिया कि आगरा को और बेहतर बनाए जाने का प्रयास करेंगे। साथ ही लोगो को जागरूक करेंगे। कार्यक्रम में कॉलेज की मीडिया प्रभारी उर्दू विभागाध्यक्ष नसरीन बेगम एवम स्मार्ट सिटी के कर्मचारी उपस्थित रहे।

गुड़ गवर्नेस वीक के दौरान छात्रों के लिए मिनिमम गवर्मेंट एवम मैक्सिमम गवर्नेस विषय पर स्मार्ट सिटी की ओर से वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जसमे छात्रा ओ ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर बीडीके और बीड़ी जैन की छात्राये एवम स्मार्ट सिटी के कर्मचारी उपस्थित रहे।

एनजीओ हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन निशुल्क स्वास्थ्य शिविर

एनजीओ हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन के साथ लगाया चिकित्सा शिविर बेसिक विद्यालय, बुढ़ान सय्यद, में एन.जी.ओ हेल्पिंग हैंड फाउंडेशन और स्मार्ट सीट की ओर से निशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। संस्थापक सुमन सुराना ने कहा स्मार्ट सिटी शहर में बेहतर काम कर रहा हैं। यह हमारा स्मार्ट सिटी के साथ दूसरा शिविर हैं।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक एवम यूटा जिला महामंत्री राजीव वर्मा ने कार्यक्रम की व्यवस्था सम्हाली एवम समस्त अतिथियों को सम्मानित किया।

शिविर में करीब 600 सर्व समाज के बच्चे व बुजुर्गो का ट्रीटमेंट किया गया और उनको आगे भी अपने क्लीनिक में निरुशुल्क रूप से आने को कहा गया।

डॉ. रिमता नागर, डॉ. अंजली प्रभु जैन, और डॉ. नूतन गहलोत जिन्होंने जांच की।

4th

अक्टूबर 2021

आगरा स्मार्ट सिटी लिमिटेड

31 अक्टूबर 2021 तक भारत में स्मार्ट सिटी रैंकिंग

आगरा स्मार्ट सिटी योजना शहर की दिशा और दशा बदल रही है। स्मार्ट सिटी योजना के तहत आगरा का चयन 2016 में हुआ था। आगरा स्मार्ट सिटी योजना के तहत पहले करीब 21 प्रोजेक्ट की डीपीआर स्वी त हुई थी। इसमें से तीन प्रोजेक्ट को तकनीकी कारणों की वजह से ड्राप करना पड़ा। शेष 19 प्रोजेक्ट पर काम शुरु हुआ। इनमें से 10 प्रोजेक्ट पर काम पूर्ण करने का दावा किया जा रहाहै शेष 9 प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है।

स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट का असर शहर में दिखाई देने लगा है। फतेहाबाद रोड की सड़कें चमकने लगी हैं तो एबीडी में सीवर और पेयजल की योजनाओं पर तेजी से काम चल रहा है। शहर के अन्य चौराहों का सौंदर्गीकरण किया जा रहा है। सीवर और ड्रेनेज के काम तेजी से चल रहे हैं। स्मार्ट सिटी के मामले में आगरा में तेजी से हुए हैं। इसके चलते शहर प्रदेश में दूसरे स्थान पर है। लखनऊ में आयोजित प्रदर्शनी में आगरा स्मार्ट सिटी के चार म डल प्रदर्शित किए गए हैं।

कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम करीब 282 करोड़ रुपये के कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम का म डल प्रदर्शित किया जा रहा है। इसके तहत शहर में करीब 1226 कैमरे लगाए जाने हैं। करीब 1170 कैमरे लग चुके हैं। 43 चौराहों पर सिग्नल सिस्टम को नए सिरे से बनाया गया है। कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम से पेयजल, सालिड वेस्ट मैनेजमेंट की व्यवस्था को संभाला जाएगा।

बदलेगी सीवर व्यवस्था

ताजमहल के आसपास के नौ वार्ड, दो गांव और छावनी क्षेत्र के आंशिक हिस्से में सीवर की व्यवस्था को नए सिरे से बनाया जा रहा है। गली मोहल्लों में नई सीवर लाइन डाली जा रही है। करीब 135 करोड़ रुपये खर्च किया जा रहा है। इसके तहत चार पंपिंग स्टेशन बनाए जा रहे है। करीब 1.55 लाख घरों को इससे लाभ मिलेगा। हर घर को सीवर लाइन से जोड़ा जाएगा। एरिया बेस्ड डेवलपमेंट ‡एबीडी‡ के तहत यह काम किया जा रहा है।

24 घंटे होगी गंगाजल की आपूर्ति आगरा में पानी की भीषण किल्लत थी लेकिन गंगाजल आने के बाद कुछ सुधार हुआ है। स्मार्ट सिटी योजना के तहत पेयजल प्रोजेक्ट पर किया जा रहा है। करीब 142 करोड़ रुपये से काम किया जा रहा है। ताजगंज में नया भूमिगत टैंक बनाया जा रहा है और करीब छह किमी 1200 एमएम की पाइप लाइन डाली जा रही है।

यहां लाइनों के रखरखाव के लिए स्काडा सिस्टम लगाया जाएगा। जहां भी लाइनलीक होगी उसकी सूचना तत्काल नगर निगम में स्थापित कमांड एंड कंट्रोल रुम को मिल जाएगी और टीम तुरंत लाइन को दुरस्त करेगी जिससे पानी की बर्बादी नहीं होगी।

सड़कों का सुधार किया जा रहा है

एबीडी एरिया में तो सड़कों का सुधार किया ही गया है। इसके साथ ही शहर के अन्य मार्गो की भी दशा सुधारी जा रही है। एबीडी में करीब 105 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं। इसके लिए जंक्सन इंप्रूवमेंट योजना के तहत फतेहाबाद रोड, सर्किट हाउस रोड और ताजगंज की अन्य सड़कों के साथ पैन सिटी योजना के तहत योजना शहर के अन्य चौराहों पर सौंदर्याकरण किया जा रहाहै।

स्मार्ट फुटपाथ बनाए जा रहे हैं।

ताजमहल की ओर जाने वाली सड़कों को दुरुस्त किया जा रहा है। ताजगंज क्षेत्र की गलियों के सुधार पर करीब 3 करोड़ खर्च किया जा रहा है। स्मार्ट हेल्थ सेंटर, स्किल डेवलपमेंट स्मार्ट सिटी में स्वास्थ्य की ष्टि से भी किया जा रहा है। शहर के अंदर 10 स्मार्ट हेल्थ सेंटर बनाये जा रहे हैं। नगर निगम में पहले सेंटर का संचालन शुरु हो गया है। यहां पैथलाजी में सस्ती दरों पर ब्लड की 700 जांच की जाती है। हेल्थ सेंटर में बाल रोग विशेषज्ञ, दंत रोग विशेषज्ञ और नेत्र रोग विशेषज्ञ जनता को सेवाएं दे रहे हैं। ताजगंज में महिलाओं के लिए स्किल डेवलपमेंट सेंटर संचालित किया जा रहा है।

ताजगंज पश्चिमी गेट नाला

ताजमहल की ओर जाने वाले पर्यटकों को गंदगी का सामना करना पड़ता है। पश्चिमी गेट के नाले से बदबू आती थी। प्रदूषण की वजह से लोगों का जीना मुहाल था। स्मार्ट सिटी योजना के तहत नाले का सुधार किया जा रहा है। नाले को नए सिरे बनाया जा रहाहै और नाले के पानी के ट्रीटमेंट की व्यवस्था की जा रहा है। करीब 26 करोड़रुपये की लागत से यह काम हो रहा है।

इससे जनता को काफी राहत मिलेगी।

ई–टायलेट की व्यवस्था

ताजमहल और आसपास के क्षेत्र में ई– टायलेट का निर्माण किया गया है। करीब 3.99 करोड़ रुपये की लागत से बनी इस सुविधा का आम शहरी के साथ–साथ पर्यटकों को लाभ मिलेगा। आगरा स्मार्ट सिटी कंपनी ने ताजमहल, आगरा किला और ताजगंज क्षेत्र में यह सुविधा विकसितकी है। सामान्य अवस्था में पर्यटकों को टायलेट को परेशान होना पड़ता था। विदेशी पर्यटक सामान्य टायलेट का प्रयोग नहीं करते थे ऐसी साफ सुथरे ई–टायलेट बनाए गए हैं।

माइक्रो स्किल डेवलमेंट में सेंटर

आगरा की जरदोजी, इनले वर्क और मार्बल हैंडीक्राफ्ट को बढ़ावा देने और देश में विदेश में पहचान दिलाने के साथ–साथ इस काम से जुड़े लोगों को रोजगार दिलाने के लिए माइक्रो स्किल डेवलमेंट में सेंटर की स्थापना की है। करीब 2.1 करोड़ रुपये की लागत से बने इस सेंटर से स्वयं सहायता समूहों को भी जोड़ा गया है। सेंटर ताजगंज में चलाया जा रहा है। इससे बड़ी संख्या में महिलाएं जुड़ी हैं और जो अपने हुनर को पहचान दे रही हैं।

स्ट्रीट लाइटों को एलईडी में बदला

आगरा स्मार्ट सिटी योजना के तहत ताजगंज क्षेत्र की प्रकाश व्यवस्था पर काम किया गया है। वहां लगी स्ट्रीट लाइटों को बदलकर एलईडी लगाई है। इस काम पर करीब 7 करोड़ खर्च किया गया है। 20 लाख रुपये से ई–रिक्शा, क्षेत्र की इमारतों को कलर करने के लिए करीब 34 लाख रुपये खर्च किए गए हैं।

फसाड इंप्रूवमेंट किया

आगरा स्मार्ट सिटी योजना के तहत शहर की विरासत को सहेजने के लिए फसाड इंप्रूवमेंट पर काम किया गया है। इसके

तहत शहर पुराने बाजार जैसे रावतपाड़ा, जौहरी बाजार आदि में पुरानी हवेलियों की मरम्मत करके उनको वास्तविक स्वरुप में

लाया है। ये सभी हवेलिया हेरिटेज वाक में शामिल में हैं। यहां आन वाले पर्यटकों को इन बाजारों की सैर कराई जाती है। मुगल

काल से भी पुरानी हैं यहां की हवेलियां।

इसके साथ ही शाहजहां गार्डन विकास किया गया है। मल्टीस्टोरी पार्किंग शहर की ट्रैफिक व्यवस्था के सुधार के साथ–साथ शहर में पार्किंग की समस्या के सुधार के लिए आगरा स्मार्ट सिटी योजना के तहत प्रावधान किया गया है। इसके लिए मल्टीस्टोरी पार्किंग के लिए 150.91 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। नगर निगम ने पार्किंग के उपयुक्तकी जमीन तलाश की थी लेकिन अभी तक उपयुक्तभूमि न मिलने के कारण काम शुरु नहीं हो पाया है लेकिन जल्द ही मल्टीलेवल पार्किंग का काम शुरु हो जाएगा।

100 ई–बसों की मिलेगी सौगात

आगरा शहर को स्मार्ट सिटी योजना के तहत 100 ई–बस मिलने जा रही हैं। इनका म डल भी लखनऊ में आयोजित प्रदर्शनी में रखा गया है। आगरा में नराइच में चार्जिंग स्टेशनधडिपो बनकर तैयार है। संभवतः अगले महीने में 40 बसों का बेड़ा शहर को मिलने जा रहा है। ई–बसों के चलने से शहर की ट्रांसपोर्ट व्यवस्था में बड़ा परिवर्तन आएगा। ये बसें न केवल शहर की सड़कों पर चलेंगी बल्कि लंबे रुटों पर भी संचालन किया जाएगा।

विचार

स्मार्ट सिटी की ओर से शहर को स्मार्ट बनाने के साथ साथ पेयजल और स्वास्थ्य से संबंधित बहुत बेहतर प्रयास किये गए हैं। हर नागरिक का कर्तव्य है कि शहर को बेहतर बनाने में सहयोग करें।

मनीष तिवारी